



Pradeep Sorastriya...

Compulsory. Each question carries 03 (Three marks)

Name - Pradeep Sorastriya
Roll No - 1281647889
Date - 8/02/21

(A) मानसून के अहलपन हेतु ~~एच व भारत के~~ समझौता है जिसमें उत्पत्ती का विश्लेषण किया जाता है

(B) प्रति एकड़ क्षेत्रफल में [कृषि योग्य भूमि] का प्रति क्षेत्रफल की संख्या कृषि धनांक कलापार है
घातक = क्षेत्रफल / कुल

(C) ट्रांसल्युमन्स पल श्वानाकदीश सफूह है जी
पशुपालन करता है, तथा प्रदूषण परिवर्तन नुसार
उपाय करता है

(D) (1) अनप में स्थित नदी द्वीप (ए) पल कम्प्यूटर
नदी द्वारा बनाया गया (ए) बड़े पूरक पित्त
व्योमित किया गया (ए) पल सकयवडा नदी नीच है (दिए)

नः

प्रश्नः

उत्तरः

(E) 1954 में पल्लु ~~विकास~~ में तागपुर में स्थापित (1 1/2)

(ii) वर्तमान में ओपाळ में स्थापित

(iii) खनिजों की खोज, वं स्वाङ्गान मिलरण रूपके कार्य

प्रश्नः

उत्तरः

(F) आकुआ, अजीराजपुर, छतरपुर, आदि (2 1/2)

प्रश्नः

उत्तरः

(G) (i) पल्लु धारावाहक पहानी सैली का प्रथम (2 1/2)

(ii) पल्लु बाणवाह में स्थापित

(iii) मत्स्यनखवण्ड (तावा) स्नान स्थल शामिल

प्रश्नः

उत्तरः

(H) (i) धार जिल्हा में स्थित मान नदी पर (2 1/2)

(ii) 2006 में मजुली की गांधी

(iii) धार, कडवारी, प्रवाह

प्रश्नः

उत्तरः

(I) (i) पल्लु का समूह अहक वाह तत्व

उत्तर :

- (7) (I) पेहचान (समूह) अहकियतत्व । (2)
- (II) जब अशुद्ध का प्रयुक्त कारक
- (III) कैकडी, लवापा, हड़प, शींग का कारक

प्रश्न :

उत्तर :

- (I) कानून द्वारा राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल
- (II) राष्ट्रीय आपदा उपचार अधिनियम - 2005 द्वारा स्थापित (2)
- (III) गृह मंत्रालय के तहत सिफरिस

Nema Books - 9200000

(11) अपूर्व राष्ट्र पलायन द्वाारा (1990) की (2)

आंध्र आपदा - पुरीकरण वष ~~द्वारा~~ किया गया।

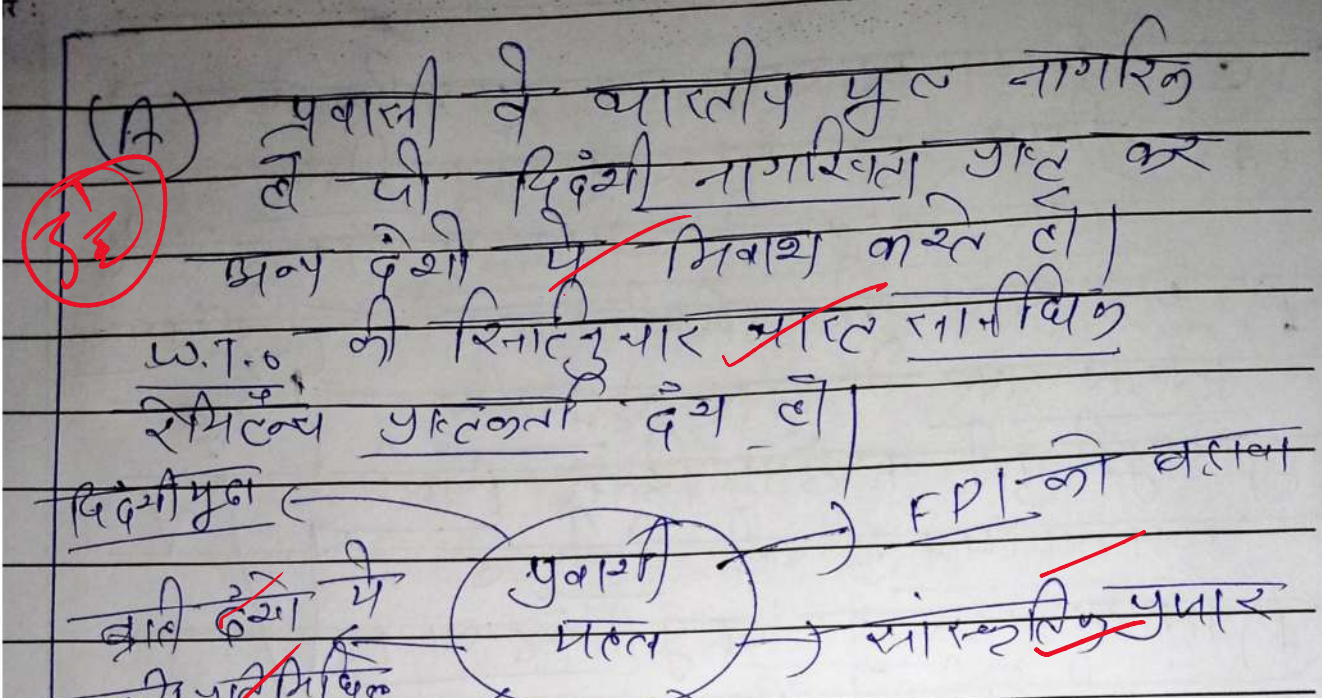
(12) वह तकनीक जिन्हे ~~वांछी~~ की जड़ी के (2)

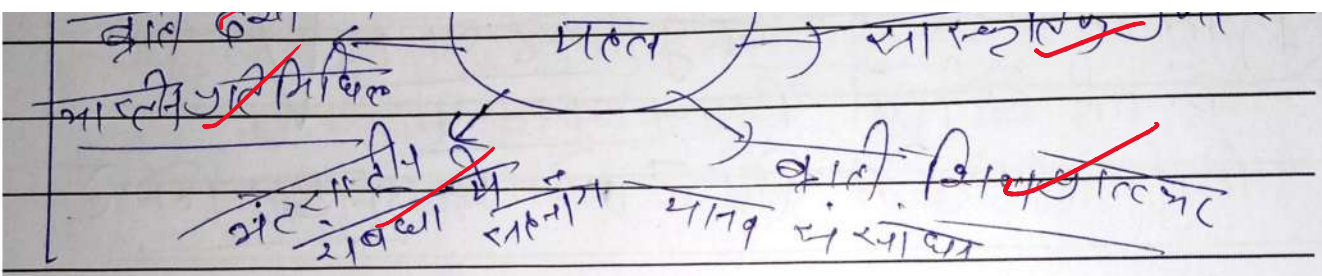
जब को प्रत्यक्ष पहुंचाया जाता है

(13) वहां अत्यंत गंभीर ~~तैयारी~~ से सजित।

- m) (i) पता ~~उत्तराखण्ड~~ ~~देश~~ ~~में~~ स्थित। (28)
- (ii) सुदूर ~~जंगल~~ ~~तकनीक~~ पर ~~अनुसंधान~~ व ~~अभियांत्रिकी~~ पर ~~विशेष~~ ~~कर~~ ~~ले~~

- n) (i) विद्युत ~~पुनर्वनीय~~ ~~तकनीक~~ आधारित ~~घरेलू~~ ~~प्रकाश~~ प्रकाश
- (ii) अंतः ~~नदी~~ ~~धारा~~ ~~विद्युत~~ ~~नदी~~ ~~पुनर्वाह~~ ~~प्रणाली~~ ~~व्यापक~~ ~~रूप~~ ~~में~~ ~~उपयोगी~~ (29)





(2.2)

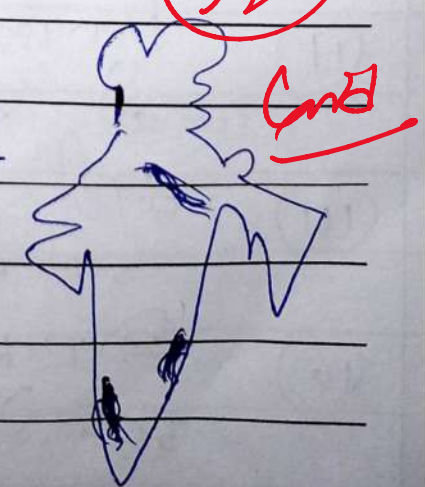
उत्तर :

(B) काष्ठ स्तंभ उन्नादन में स्नायव्यः आल्प मिश्रित नती पदा कुछ दैर्घ्य से उपाधी प्राली होती है।

(i) कुनक्ति में कोपर, ~~हडली~~ हडली की रानी (सानीथिक उन्नादन) 5!

(ii) आंध्रप्रदेश में शपगठ की रनाधाने (सनायव्य उन्नादन)

(iii) उ.प. में शंग नदी के काष्ठ मिश्रित से प्राली

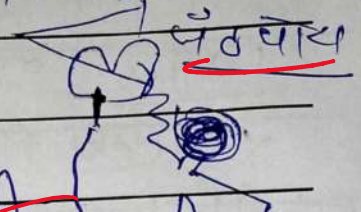


श्रीगोपूरवत् ~~प्राकार~~ पत्तों से प्राल लसे है

(c) मिम प्राचरो पर पुत्रापित करलले

(d) ग्रीषम ऋतु में पौष्ट ~~प्राप्त~~ तिल्लत पठर द्वारा ही आगा में मिश्रित लीहें

3! (e) जेठ ~~प्राप्त~~ की दहिनी आरना तिल्लत पठर के ऊपर से उकाहित



- तिल्ल पठार के ऊपर संजकाविल
- (c) समुद्री तूथी व छेपा शिकार मिलये
उत्पत्ती उत्पत्ती होती है
- (d) तिल्ल पठार पर खे पुर्वी जेठ धारो
उत्पत्ती होती है निजका अवतल्य
हिन्दु पलायनर में होती है म्पेन मानसुन उत्पत्ती लोह

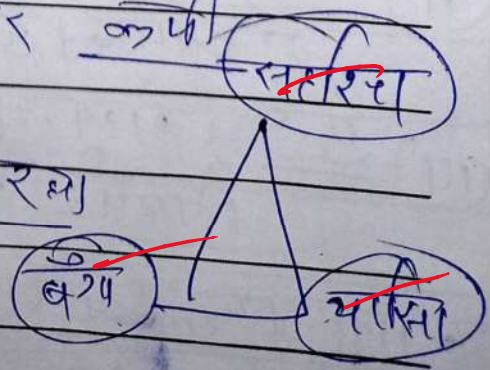
(D) देवर भार्योग दारा (प्रापाउ) हेंउ
मिम पानदठ मिथरिह किउ गाडा।

(i) कल जनपाहि जी परपरागत तरिके
से कृषि करती है

(ii) निजके सपाय में साधारण
की स्तर बहुत कम है।

(iii) उनकी जनघरेबा सिरन्तर कफी
आ रही है।

(iv) शेजगर, पोषण, आध भुरस
आदि से वंचित है।



प्रश्न: (2.2)

उत्तर :

(E) निम्न कारण विव्यपन।

(E) निम्न कारण विवक्षित

(v) म.प का अ-आकैशित रूपित निचले
वर्गगत, अंतः जलगत संस्थापना नही

(8) कुमिपारी गं पागत अंशक उदा LEPS 2022
कडैपक ये म.प (अ) रूपान पर

(3) कृषि उद्यम अपेक्षित (निसा) व (रूपान)
पर वन वन - अतिअधिकतम पुनोती

(4) जोर अपातक नपी निचले रूपान उदांग अंशक

(E) राजनैतिक आकषक नही का अंशक

(F) कृषि पिनाम पर अधिक रूपान केंद्रित

अनः (2.2)

उत्तर :

(F) निम्न उपाय अपेक्षित जाडा।

(1) जनपागरकत हंड शिवा पाक हिच
लाकि अगतड पौती आनक सं वपाव ली

(ii) परिचलन निचले के पालन की पुमिशिल
के लाकि दुधवतनाड न ली

(iii) वेतर रुकिया लगे, सनधिनन निमतक लकि
आतषवाक से सुरक्षा।

(iv) उचित औपौगिक पानका का पालन ली
लाकि दुधवतनाड न ली

(v) जनपागड परिचलन निचले सनध पिनाम
सुनारपिल पर रूपान दिना जाडा

उत्तर :

- (14) जल संबंधन कई पुनर्निर्माणों से गुजरता है।
- (i) तालाब, झील, नदीया का डीक
 - (ii) शरकरशाव नदी अपने जाह, असुद्धि पपा
 - (iii) नदीया में बढ़ता उदुषण, धरंरु
 - (iv) असुद्धि, नदीयागि, असुद्धि आदि
 - (v) महरी को मरम्मत न करना
 - (vi) जिससे जल का रिमान।
 - (vii) नदी किनारे उचांग स्थाना उदान पपल
 - (viii) उचांग न उदुषण का कारण।
 - (ix) इतिपन्टलॉट, पुनपकृष लकी, ~~इंन वाटर~~
 - (x) हावेस्टिंग आदि की ~~उपी~~।

(2.2)

उत्तर :

- (15) (i) बैलर पोथमनुचार कपल पपन है।
- (ii) कृषि संसाधन के उबंधन से
 - (iii) कृषि दक्षकल के कोउ गउ आंगा की
 - (iv) पेपिंग
 - (v) कृषिकल आकडी द्वारा नीर मिपदि से
 - (vi) सुरवा, या कृषि कपले के ~~नुकसान~~ बक
 - (vii) पना लगान
 - (viii) पिम वीपा पोपना लंघापी पपन करे से।
 - (ix) लीडी रिडी, ~~पहल~~, जागी आपदा से
 - (x) पूर्व पैतावनी।

पृ/M=

पूर्व पैतावनी
 (1) कृषि रोगों व ~~पुष्प~~ की चपीहता करना

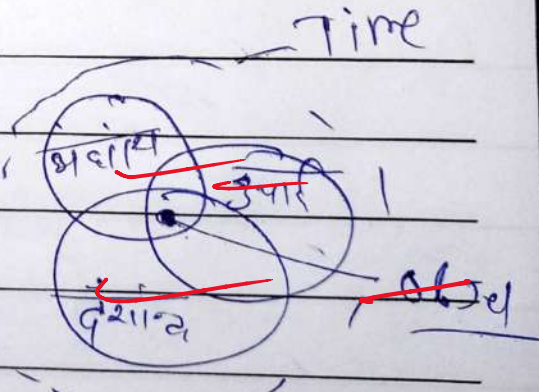
उत्तर :

- (1) जाड के मिम्ब उद्योग
- (i) मिथोजन व मिथपि प्रक्रिया के समय व लागत संबंधी के मानव हाथ ल बढाना
 - (ii) आकड़ों के वितरण व प्रक्रिया के संचालन जुडाना।
 - (iii) आकड़ी के प्रतिक्रियात्मक स्तर पर उत्तरी पूरा पुनारावृत्ती शेकना।
 - (iv) उच्च विभिन्न आंगोत्पि मिश्रित आकड़ी का पिरमिड करना।
 - (v) विभिन्न सुपताओं को समन्वित करना।

प्रश्न: (2.2)

उत्तर :

- (1) जपड तकनीक टाइम रिजेशन तकनीक पर आधारित है
- (i) छिपी स्थाप पर Object समि जानने है यार सिद्धांत की आकषवना बते ले अंलाय देशान्द, उपाटी व समय



(32)

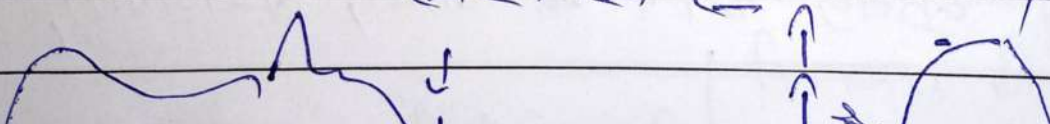
- देशान्तर, उपाधि व समय
- (11) न्युनतम ~~बार~~ उपग्रह पता आहरण का सुलभ कर देते हैं।
- (12) माउन्टेन ~~रेंज~~ की पाठ्य, समय-पुटी ध्यान जट स्थिति पता लगायी जाती है।

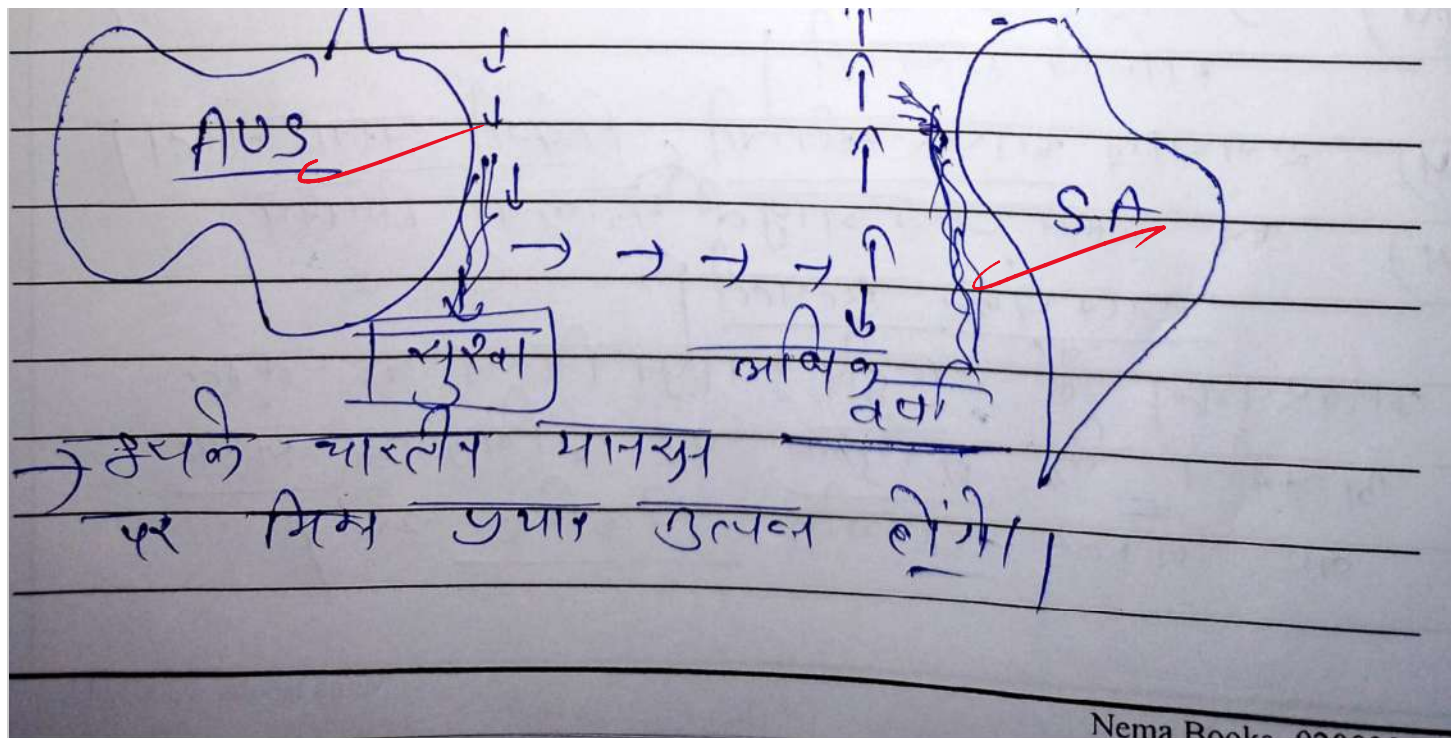
(A)

अल्पीनी पेशांत पता सागर से उत्पन्न होने वाली गर्म समुद्री धारा है। यह केशीक पोराम पैले के साप-साप आरतीन मानसून की भी पुचाकि करती है।

उत्पत्ती कारण ः

- (1) प्रपलित उपापरिक हवाओं की गति से कमी
- (2) समुद्री पाठ की अपकेषिगं से कमी
- (3) हमकीन धारा के स्थान पूर गर्म अल्पीनी की उत्पत्ती





- (I) हिन्द महासागर व पश्चिम महासागर में तापान्तर उत्पत्ती।
- (II) वांछित संकेतों का विपश्चितीक
- (III) ठंडा जल हिन्द महासागर में प्रवेश कर वाष्पीकरण कर जप कर मानस्य विपश्चितीक को जप करती है।
- प्रभाव → (I) मानस्य विपश्चितीक जप मिले गारु में सुरक्षा उत्पत्ती।
- (II) कृषि उत्पादन जप रक्षाधान संकट व रक्षाधान प्रदासकिति उत्पन्न।
- मिस कृषि प्रदासकिति विपश्चितीक

शबाधान पुदरा काल उत्पन्न

(14)

कृषि प्रण मकी, कीपा आदि ० पंच जिनमे
शजकोविप चार बनेलरी

(15)

ग्रापीव कृषक आप ये कपी, बेसिकाती,
शरिदि उत्पली

(16)

शबाधान आपल बनेली विदंगी चानार घाता

(17)

अ ~~कृषक~~ पल आपुतीये कपी जिनमे
राज संकल उत्पली

असकरपकल है शरदीय पारपुन मिशन के तहत
अलनी के सुनियाम पर अधिक अनुसंधान
नर केंद्र लक्ष्मी विकसित करे।

(B)

पायका पठार महपुखे के कुल
भाग का (28.1) सबसे बड़ा है

वे इपना पिलार (22.17-25.8)

उली अंश (73.17-74.9) युवा

देशान्तर लका

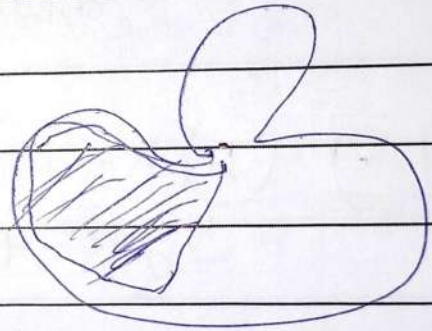
इपने अंतर्गत शामिल

जिले [इजंमू, आगरा, मुन्धोर, चार

वाजाप, गंधार आदि

जिन [उच्च, आदि, ...]
शापायुद, पंचार आदि

उपलब्ध ~~आदि~~ पहल
मिम आदि पर
सपम राखे ले ।



(व) कृषि - (1) कालीमिही कैंप सपल
कपाय उलादन [रक उलादन]

(ii) सोपाक्री उलादन कैंप (81.05) - 1

(iii) भूक्रीप उलादन पंचारे

(iv) गहु-पना उलादन ये शापायुद उलादन विहिर

(v) सखा उलादन सपल (पंचार, पंचार)
इन्ही से जी कृषि ~~आपदि~~ उलादन
स्थापित ।

question carries 11 marks.

श्न: (3.1) Continued (जारी)

(i) कपाय उलादन - ~~इन्ही~~ उलादन ।

(ii) पीनी उलादन - ~~बस~~ पंचार ।

(iii) सोपाक्री उलादन, ~~(सखा लंब)~~ - पाद ।

(iii) चापाचार्य → उद्योग, ~~(सरवालय)~~ → पार

(१) झाँझांग → (i) ~~डुबौर~~ → ~~गग~~ ~~पार्क~~, ~~डुबौर~~

(ii) ~~वीपपुर~~ → ~~आले पोखिल डुबौर~~

(iii) ~~दैरा~~ → ~~नमडा डुबौर~~, ~~नवाश डुबौर~~

(iv) ~~धार~~ → ~~पशु आहार संपन्न~~

(v) ~~चोपाल-रायसैत~~ → ~~रैल बिपयि~~, ~~आरतीकल~~

~~(६) ~~दुबौर~~~~

~~काठवर~~ ~~कारना~~ ~~आदि~~

(3) ~~पपल~~ → (i) ~~डुबौर~~ (ii) ~~चोपाल~~ (iii) ~~धेयोर~~
पुस्तक पपल ~~कंधा~~

(4) ~~श्वेतप~~ → (i) ~~भाकुआ~~ (~~शककापेट~~)

(ii) ~~दवाय~~ (~~जीमीमिही~~), (iii) ~~धार~~ (~~मैनीप~~),

(iv) ~~कल्पवार~~ (~~भाकुआ~~) ~~क~~ ~~मिथिन~~ (~~दैरा~~) ।

पाल्पा में कुमिपारी लंपा पजवुतल्लर

लॉपिस्तीक पार्क जो ~~बड़ा~~ ~~दैरा~~ ~~डुबौर~~

आपिड हरि को ~~और~~ ~~बड़ा~~ ~~प~~ ~~पत्तार~~

(5)

भापल उद्योग में ~~लाप~~ ले ~~आपल~~

आपदा प्रबंधन में तात्पर्य है आपदा के प्रभावी को ~~कप~~ ~~कप~~ ~~कप~~ से - कप जनहानि के उत्प्रेषण करना।

यदि भारतीय संघ में फैला जाऊ तो भारत ने ~~आपदा~~ स्तर पर ~~आप~~ ~~दा~~ में सकल कार्य अपनाउ तथा सकल जात की।

(1) 2005 में भारत ~~हयुगी~~ ~~कंपनकी~~ की अपना दुःख शहरी आपदा प्रबंधन अधिनियम - 2005 लागू किया।

(ii) आपदा के उत्प्रेषण उत्प्रेषण है NDRF तथा अनुबंधन है (NDRF) स्थापना।

(iii) 2005 के बाद से पूर्व संचाली, शामल पर अधिक हजार कंपनकी किया।

(iv) शहरी आपदा निष, PM आपदा निष की स्थापना लागि पुनर्वसन में सहायता मिले।

(5) 2016 में चेडरि कंपन अपनकर
2016 में ~~नहीं~~ नहीं जाती थी।

(6) आरक्षक उद्योगी अवसर में
संगठन की स्थापना की।

पुश्पाव :- (1) 2000 में छडीवा युपर समितित
में बैलर उवध किया।

(ii) सुर्व पंतावनी संग पपवुल दुआ कनी, पुशरत
में करि हवाए नहीं हुआ।

(iii) करपीरवा, उतरारुव वा, आरि में
बनाए कारि में सकल रही।

चीपाड/कमिष

(1) M.P.6 सापुदिपु,
पिअैपम यागीवारी NPMR मेनदी

(ii) आरुली मु-हरव रेषि के पुपाव
नहीं हिपालप, प.वाए

(iii) मुळम जोन का रेरबंक पर संवै
बना हुआ

(iv) पौषपुव पुपाव, हा बैलर संग पौपु नहीं

(v) सड दुव वला, आत ववा आरि पर सु रेक नहीं,
सापुदापि यागीवारी व कंफ-राज रावधा का

पपवुल जए इन पुनौति को सुर किया जाडा.

व पर पत उपि वै साह उमे आरि शह है.

ज पर यम उपरि ले मह अमे जगतीय रहा है

(D)

वृद्ध के अनुसार (जाड) भाकडी
की उकस करे, अडारण, पिरांपवण
करे वापी कम्पुटर आधारित
रुजरी ले

रुचकी रबीर लाय लिपिन वाय
लि गपी

रुचके सायान गौष बलक पावे
जात ले जाड



हाडवंपर

सावरवंपर

पुक्रिया

मान

सयापा

भाकडी

(व) हाडवंपर -> पहा, बांतिग भूरी रुजरी

वे चपी उपकरण जो

पुनरा का उकिरठन, मिगति, पिरांपवण करे
रूपम सायित, कम्पुटर, एपी, आफि

उपय आयुर्वेद, अष्टांग ह्युग, आदि

(B) सर्वलक्षण - (1) नष्ट उत्पीड़ना
जोशिया का लक्ष्य
है

(1) आठों के अवधारण, उपनिषद,
विशेषण, उन्ने के वल करना
आदि का करना है

(11) पल आठों के उपय, लप, लक्षणा
का मिथरिग

उत्त अष्टांग, संय डिजिशन आदि

(111) आठों → वे लंजी सुपनाउ (मंठ)
शर, आंगुलिक सुपना आदि
उपमे स्थायी - व - गंर स्थायी आठों स्थिति

(112) मानक संसाधन → सक्युल प्रविण संसाधन
हैं कुशल-नकरीकी

(113) मानक रूप वल की आस्था

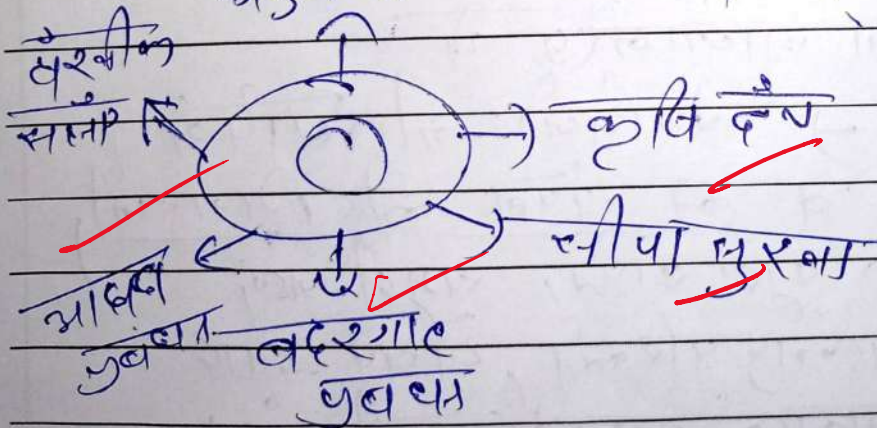
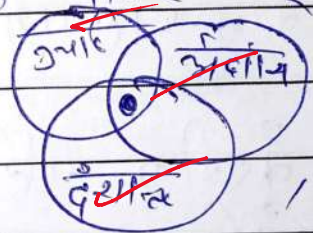
(7/2) मासिक रूप से कर्मियों का आकलन ।

(4) प्रक्रिया → (I) आकलन उत्तर करना
(II) प्रतिक्रिया करना, विश्लेषण
(III) आकलन की उतरी आदि कार्य
मिथित परणवक प्रक्रिया से होते हैं।

(E) (JAPS) उच्च नोकरों सुचना प्रणाली
है जो अपरिणत हाथ विकसित
कि गयी है जिससे प्रमाण्य उ।
उपग्रह प्रयोग कि जाते हैं।
यह अ-व्यक्तित्व पर स्थित काल
की स्थिति बताता है।
यह दृष्टिकोण
तकनीक का प्रयोग करता है।

(JAPS) के मिसम Time
आदि प्रमाण्य

(जार्ज) के ~~मिम्स~~
~~दौरे~~ के ~~अनुपयोग~~
~~अनुपयोग~~



~~नायक~~

- ① कृषि → ① कृषि कचली के सीपांकन पे
 वा ② कृषि दौरे के लिए

प्रश्न: (3.1) Continued (जारी)

- (11) कचली पर रोग, पुरन उपाय
 आकलन पे
- (12) सीपापुरना → यह सीपापेपिंग,
 समुही सीपा मिश्रणी
- (13) वहशाह/जानार → ① जलापी के लिए
 वेडापुवका
- (14) पपति → ① पपतिकी के लिए मार्ग
 जान जारी व पिशैंप

(1) जानकारी व दिवाँच
स्थानों तक पहुँच

(2) आकलन प्रबंध → ~~चलवाए, खान, सुनायी,~~
आदि की सुविधा सुपना

(3) वंशीय सहयोग →
वंशीय नीति (1) अंतरराष्ट्रीय संस्था,
सिपाही या अपनी
संस्थागत सुपना ~~साक्षात्कार~~ के

(4) संसाधन सौख्य → खनिजों की खोज
व कम संयंत्रों की मिगरानी

(5) अनुसंधान → (1) बृहत् स्तर, सुग्री पत्र,
जलवायु परिवर्तन, याचक आदि
विषय पर अनुसंधान माकड जाली है।